Dabang Dunia (Indore), 17th July 2024, Page- 02

हर चौराहे पर जाम की स्थिति बन जाती है... ट्रैफिक सिग्नल को किया जाएगा व्यवस्थित

चौराहों के ट्रैफिक को सुधारेंगे आईआईटी-आईएमएम के एक्सपर्ट

दबंग दुनिया ♦ इंदौर

आबादी बढ़ने के साथ ही इंदौर शहर में प्रत्येक चौराहे पर सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है। इसकी वजह से लोगों को अपने गंतव्य पर पहुंचने में अधिक समय लग रहा है। बिगड़े ट्रैफिक को सुधारने के लिए अब शहर की शीर्ष संस्था आईआईटी और आईआईएम इंदौर आगे आई है। ट्रैफिक सिग्नल से लेकर चौराहों को सुव्यवस्थित करने के अलावा वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूक किया जाएगा। फिलहाल यातायात को बेहतर बनाने आईआईटी के विद्यार्थी जानकारी जुटाने में लगे हैं।

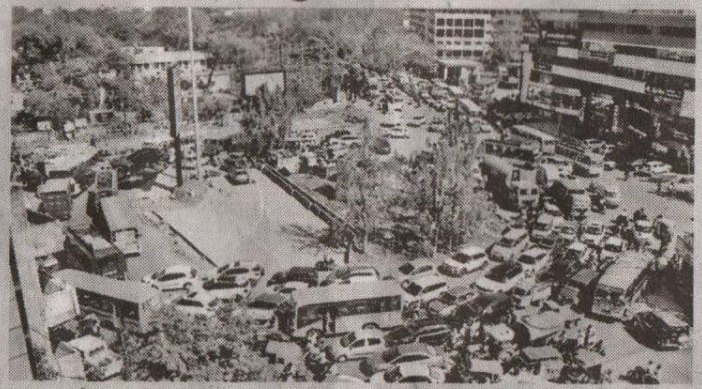

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी के बीच चर्चा हुई थी। इसमें चौराहों को व्यवस्थित करने सहित लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने पर भी बातचीत की गई। इसके बाद आईआईटी के विद्यार्थियों ने कुछ चौराहों और सिग्नल के बारे में अध्ययन किया, जिसमें पाया कि शहर में रेड लाइट का समय काफी अधिक है।

कई चौराहों पर दो से तीन मिनट तक रेड लाइट रहती है। वाहन चालकों में धैर्य नहीं है। कई बार चालक सिग्नल नहीं होने पर भी वाहन निकालते हैं। जबकि जो वाहन चालक चालान के डर से सिग्नल पर खड़े रहते हैं, वे भी रेड लाइट बंद होते ही वाहनों को आगे बढ़ा लेते हैं। ग्रीन सिग्नल चंद सेकंड दिया जाता है। इस वजह से चालक वाहन निकलने में जल्दबाजी करते हैं। आईआईटी और इंदौर नगर निगम में प्रारंभिक स्तर पर यातायात को लेकर चर्चा हुई है। अब निगम की तरफ से प्रजेंटेशन होना बाकी है, जिसमें आईआईटी ने प्राब्लम स्टेटमेंट मांगा है। इसके माध्यम से शहर के किन चौराहों पर यातायात की ज्यादा दिक्कतें है, वह बताना है। आईआईटी ने चुनिंदा चौराहों के बारे में पूछा है।

यातायात को लेकर आईआईएम इंदौर ने 2019 में एक अध्ययन किया था, जिसमें 5-ई के बारे में सुझाव दिया था। इनमें एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, एन्वायरमेंट, इमरजेंसी प्रमुख था। आईआईएम ने चौराहों को व्यवस्थित करने के लिए इंजीनियरिंग पर जोर दिया था।